(iii) असक्षम जल प्रबंधन से जलाक्रांतता और लवणता की समस्याएँ खड़ी हो गई हैं।

(iv) कुएँ और नलकूप अत्यधिक सिंचाई के कारण सूख गए हैं। इससे सीमांत और छोटे किसान कृषि छोड़ने पर मजबूर हो गए।

(v) अपर्याप्त भंडारण सुविधाएँ और बाजार के अभाव में भी किसान हतोत्साहित होते हैं। इससे किसानों को खरीद मूल्य कम मिलता है परंतु उन्हें मजबूरी में अपने उत्पाद बेचने पड़ते हैं।

प्रश्न 7. रबड़ की खेती के लिए उपयुक्त भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– रबड़ भूमध्यरेखीय क्षेत्र की फसल है। परंतु विशेष परिस्थितियों में उष्ण और उपोष्ण क्षेत्रों में भी उगाई जाती है। इसको 200 सेमी से अधिक वर्षा और 25° सेल्सियस से अधिक तापमान वाली नम और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है। रबड़ एक महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है जो उद्योगों से प्रयुक्त होता है। इसे मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और मेघालय में गारो पहाड़ियों में उगाया जाता है।

प्रश्न 8. सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधार कार्यक्रमों की सूची बनाइए। **(NCERT)**

उत्तर– सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधार कार्यक्रम निम्नलिखित हैं—

(i) जोतों की चकबंदी।

(ii) जमींदारी प्रथा की समाप्ति।

(iii) अधिक उपज देने वाले बीजों के द्वारा हरित क्रांति।

(iv) पशुओं की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन में श्वेत क्रांति।

(v) बाढ़, चक्रवात, आग तथा बीमारी के लिए फसल बीमा के प्रावधान।

(vi) किसानों को कम दर पर ऋण दिलाने के लिए ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों और बैंकों की स्थापना की गई।

(vii) किसानों के लाभ के लिए किसान क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना शुरू की गई।

(viii) आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विशेष किसान कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

(ix) किसानों को दलालों के शोषण से बचाने के लिए न्यूनतम सहायता मूल्य की घोषणा सरकार करती है।

(x) कुछ महत्त्वपूर्ण फसलों के लाभदायक खरीद मूल्यों की घोषणा भी सरकार करती है।

प्रश्न 9. चावल (धान) की खेती के लिए उपयुक्त भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए। **(NCERT, 2020)**

या चावल की उपज के लिए आवश्यक तीन भौगोलिक दशाओं का वर्णन कीजिए। **(2020)**

या चावल के उत्पादन हेतु उपयुक्त भौगोलिक दशाओं की विवेचना कीजिए एवं भारत में प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। **(2022)**

या चावल की खेती हेतु उपयुक्त भौगोलिक दशाओं की विवेचना कीजिए तथा भारत में किन्हीं तीन प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। **(2023, 24)**

उत्तर– भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल है। चीन के बाद भारत चावल का दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है। चावल एक खरीफ फसल जिसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25° सेल्सियस से ऊपर) और अधिक वर्षा (100 सेमी से अधिक वर्षा) की आवश्यकता होती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। चावल उत्तर और उत्तर-पूर्वी मैदानों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टाई प्रदेशों में उगाया जाता है। नदी घाटियों और डेल्टा प्रदेशों में पाई जाने वाली जलोढ़ मिट्टी चावल के लिए आदर्श होती है। नहरों के जल और नलकूपों की सघनता के कारण पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ कम वर्षा वाले क्षेत्रों में चावल की फसल उगाना संभव हो पाया है। चावल जून-जुलाई में दक्षिण-पश्चिमी मानसून पवनों के शुरू होने पर उगाया जाता है और पतझड़ की ऋतु में काटा जाता है।

प्रश्न 10. एक पेय फसल का नाम बताएँ तथा उसको उगाने के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों का विवरण दीजिए। **(NCERT)**

या एक पेय फसल का नाम लिखिए और उसके उत्पादन पर प्रकाश डालिए। **(2022)**

उत्तर– चाय एक महत्त्वपूर्ण पेय पदार्थ की फसल है। चाय का पौधा उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु, ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी तथा सुगम जल निकास वाले ढलवाँ क्षेत्रों में उगाया जाता है। चाय की खेती के लिए वर्ष भर कोष्ण, नम और पालारहित जलवायु की आवश्यकता होती है। वर्ष भर समान रूप से होने वाली वर्षा इसकी कोमल पत्तियों के विकास में सहायक होती है। भारत विश्व का अग्रणी चाय उत्पादक देश है। यहाँ असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व केरल में चाय का उत्पादन प्रमुखता से किया जाता है।

प्रश्न 11. भारत की एक खाद्य फसल का नाम बताएँ और जहाँ यह पैदा की जाती है उन क्षेत्रों का विवरण दीजिए। **(NCERT)**

उत्तर– गेहूँ भारत की एक प्रमुख खाद्य फसल है। यह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भागों में पैदा की जाती है। देश में गेहूँ उगाने वाले दो मुख्य क्षेत्र हैं—उत्तर-पश्चिम में गंगा-सतलुज का मैदान और दक्कन का काली मिट्टी वाला प्रदेश। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ भाग गेहूँ पैदा करने वाले प्रमुख राज्य हैं।

प्रश्न 12. वाणिज्यिक कृषि से क्या आशय है? **(2022)**

या वाणिज्यिक कृषि की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **(2023)**

उत्तर– वाणिज्यिक कृषि में फसल उत्पादन और पशुपालन बाजार में विक्रय हेतु किया जाता है। इसमें अधिकांश कार्य मशीनों के द्वारा किया जाता है। इस प्रकार की कृषि के मुख्य लक्षण आधुनिक निवेशों; जैसे—अधिक पैदावार देने वाले बीजों, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग से उच्च पैदावार प्राप्त करना है। वाणिज्यिक कृषि में वाणिज्यिक अनाज कृषि, मिश्रित कृषि और रोपण कृषि शामिल हैं। कृषि के वाणिज्यीकरण का स्तर विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग है। उदाहरण के लिए, हरियाणा और पंजाब में चावल वाणिज्य की एक फसल है परन्तु ओडिशा में यह एक जीविका फसल है।

प्रश्न 13. झूम कृषि की विशेषताओं की विवेचना कीजिए। **(2023)**

उत्तर– झूम कृषि की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

1. इस कृषि में सबसे पहले वनों के किसी भाग को काटकर या जलाकर साफ कर लिया जाता है तथा इस पर कृषि की जाती है। परन्तु जब इस मिट्टी की उर्वरा-शक्ति समाप्त हो जाती है तो दो-तीन वर्ष बाद इस भूमि को परती छोड़कर नए स्थान पर वनों को साफ कर कृषि की जाने लगती है तथा कुछ वर्षों बाद इस क्षेत्र को भी छोड़ दिया जाता है और नए स्थान पर कृषि की जाने लगती है।
2. इस प्रकार की कृषि में मोटे अनाज; जैसे—मक्का, ज्वार-बाजरा, जिमीकन्द एवं रतालू आदि उत्पन्न किए जाते हैं।
3. इस पद्धति के अन्तर्गत कृषि खाद्यान्न का उत्पादन कम किया जाता है।
4. इस कृषि पद्धति में कुदाल, खुरपी, हँसिया आदि पुराने उपकरणों तथा मानव श्रम का प्रयोग होता है।
5. इस कृषि-पद्धति में सिंचाई के साधनों का भी प्रयोग नहीं किया जाता है।